Title: Need to protect the civilians of the Jammu and Kashmir from the continued firing by the Paksitan across the border.

श्री अली मौहम्मद ना्यक (अनंतनाग) : महोद्य, मैं आपके माध्यम से हिन्दुस्तान की हुकूमत की त्वजह पाकि्स्तान की तरफ से जम्मू-क्श्मीर में जारी लगातार फा्यरिंग की ओर दिलाना चाहता हूं। पिछले द्स दिनों से क्श्मीर के कूप्वारा और बारामूला जिलों में पाकि्स्तान मुसल्सल गोला्बारी करता आ रहा है। इसका नतीजा यह है कि वहां द्स सि्विलि्यन्स मर गए हैं और जा्यदाद का नुक्सान हुआ है। दर्जनों गां्वों के लोगों ने हिजरत की और मुखतलिफ इलाकों में जा रहे हैं। इसके अला्वा जम्मू-क्श्मीर में पाकि्स्तानी रेंजर निहत्थे शहरि्यों पर बरा्बर फा्यरिंग कर रहे हैं। इसका नतीजा यह हो रहा है कि वे लोग न फ्सल काट सकते हैं और न नई फ्सल लगा सकते हैं। आज के अख्बारों में आ्या है कि ब्ड़गां्व के पहा्ड़ी इलाकों में पाकि्स्तान ने कुछ शि्विर बनाए हैं, जहां हैलीकाप्टर से फौजे उतारी गई हैं। वहां 8 मिलिटेंट मारे गए हैं। मैं हुकूनते हिन्दुस्तान से जानना चाहता हूं, सि्विलि्यन प्रापर्टी और सि्विलि्यन्स को बचाने के लिए तथा रि्या्सत जम्मू-क्श्मीर की इन्टेग्रिटी को का्यम रखने के लिए क्या इन्तजामात करने जा रहे हैं ?

दूसरी बात, सिक्योरिटी फो्र्स्स के अन्दर कुछ ऐसे एलीमेंट्स भी हैं, जो फेक एन्काउन्टर्स दिखा रहे हैं तथा रेप व किडनैपिग कर रहे हैं। इ्स पर सरकार को रोक लगानी चाहिए और भारत सरकार को पूरी त्वज्जह देनी चाहिए।